विधान परिषद के द्वितीय सत्र, 2023 के प्रथम गुरुवार हेतु निर्धारित श्री ध्रुव कुमार त्रिपाठी, मा0 सदस्य, विधान परिषद द्वारा पूछे गये अतारांकित प्रश्न संख्या-12 का उत्तर।

प्रश्न **उत्तर**

12(क) क्या बाल विकास पुष्टाहार मंत्री बतायेंगे कि जनपद सिद्धार्थनगर में विगत चार वर्षो 2019-2020, 2020-2021, 2021-2022 एवं 2022-2023 में कुपोषित महिलाओं एवं बच्चों (शिशुओ) की संख्या अलग-अलग कितनी है ?

जी हाँ।

जनपद सिद्धार्थनगर में वर्ष 2019-2020, 2020-2021, 2021-2022 एवं 2022-2023 में कुपोषित बच्चों की संख्या निम्नवत् है :-

वर्ष	बालक	बालिका	कुल योग
2019-2020	34542	33603	68145
2020-2021	27920	27205	55125
2021-2022	21864	21036	42900
2022-2023	19252	19699	38951

(ख) क्या सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ उक्त कुपोषित शिशुओं और महिलाओं को मिल रहा है ?

जी हाँ।

(ग) यदि हाँ, तो कुपोषण के क्या कारण हैं ?

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्गत राष्ट्रीय पोषण नीति 1993 के अनुसार बच्चों में कुपोषण के कारण निम्नवत् हैं :-

- आहार में निर्धारित मात्रा से कम पोषक तत्वों का होना।
- परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक न होना, इत्यादि।
- जन्म के समय कम वजन।
- पोषण के विभिन्न आयाम।
- नगरीकरण।
- प्राकृतिक आपदायें।
- श्रमिकों का पलायन।

(घ) क्या सम्बन्धित अधिकारियों के संरक्षण पर यह किया जा रहा है ?

प्रश्न नहीं उठता।

(ड़) क्या सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का पूरा लाभ कुपोषित महिलाओं और शिशुओं को न मिलने के कारण की उच्च स्तरीय जॉच कराकर जॉच आख्या सदन की मेज पर रखेंगे ?

प्रश्न नहीं उठता।

विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लाभार्थियों को प्राप्त होने के कारण कुपोषण स्तर में निरन्तर सुधार हुआ है।

बेबी रानी मौर्य
मंत्री।